Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 198 , 24 दिसम्बर, रविवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

''पुलिस की नाक के नीचे होता रहा बच्चियों का शोषण'

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी में आध्यात्मिक विविद्यालय के नाम पर बच्चियों का शोषण होता रहा, लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी। आप का मानना है कि इस तरह का गोरखधंधा बिना पुलिस की शह पर नहीं चल सकता। पुलिस केन्द्र सरकार के तहत आती है और भाजपा के नेता भी इससे अनिभज्ञ नहीं थे। पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए ''आप' के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से आध्यात्मिक विविद्यालय के नाम पर रोहिणी में गोरखधंधा चल रहा था, वह निश्चित तौर पर दिल्ली पुलिस और भाजपा के नेताओं की शह पर ही चल रहा था।

लोहिया पुल ढहने से किशोरी नहर में डूबी

नई दिल्ली। जैतपुर क्षेत्र में लोहिया पुल का कुछ हिस्सा अचानक ढह जाने के कारण एक किशोरी आगरा कैनाल में डूब गई। बृहस्पतिवार रात सोनी (17) परिजनों के साथ बाइक से पुल पर जा रही थी। हादसे के बाद किशोरी का पिता नहर में कूद गया, लेकिन काफी खोजबीन बावजूद उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस व दमकल विभाग को दी गई। मौके पर दमकल विभाग और बोट क्लब के कर्मचारियों ने किशोरी की काफी तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। माना जा रहा है कि पानी के तेज बहाव होने कर कारव वह बहकर आगे निकल गई होगी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस उपायुक्त चिन्मय विश्वाल के मुताबिक किशन चंद सपरिवार झुग्गी नम्बर 538, एनटीपीसी के पास बीआइडब्ल्यू कॉलोनी में रहता है और निजी कंपनी में सफाई कर्मचारी है। बृहस्पतिवार को वह बेटी सोनी और बेटे अभिषेक (18) के साथ खड्डा कॉलोनी अपने रिश्तेदार के घर पार्टी में जा रहे थे। रास्ते में लोहिया पुल से गुजरते समय अचानक पुल का एक हिस्सा ढह गया और बाइक के बीच में बैठी सोनी नहर में गिर गई। बेटी को नहर में डूबते देख किशन ने नहर में छलांग लगाकर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन लड़की पानी के तेज बहाव में बह गई। रात 8.40 बजे पुलिस व दमकल विभाग को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे बोट क्लब, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और दमकलकर्मी नहर में किशोरी की तलाश में जुटे रहे, लेकिन शाम तक उसका कुछ पता नहीं चला।

ऑटो परमिट ट्रेडिंग व वीआईपी ट्रांसफर के नाम पर हो रहा भ्रष्टाचार

चालकों के लिए स्वरोजगार योजना को सरकार ने बनाया व्यापार योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वराज इंडिया पार्टी ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार की स्वरोजगार योजना में परिवहन विभाग में कमजोर नियमों के चलते ऑटो परमिट ट्रेडिंग की जा रही है। परिवहन विभाग के सरंक्षण में डीलरों और एजेंटों की साठगांठ से परमिट की ट्रेडिंग धड़ल्ले से हो रही है। स्थिति यह है कि ऑटो ड्राइवरों को सरकार ने स्वरोजगार योजना के तहत जो प्रेश परमिट दिया था, उसकी 3.5 लाख से लेकर 3.25 लाख रपए में तक बेचा जा रहा है। खुलेआम परमिट की ट्रेडिंग के कारण 88 हजार की लागत वाला ऑटो पांच लाख रपए से ऊपर बेचा जा रहा है।स्वराज इंडिया के महासचिव नवनीत तिवारी ने कई अनियमितताओं का खुलासा करते हुए बताया कि बुराड़ी परिवहन कार्यालय में वीआईपी ट्रांसफर के नाम पर अवैध तरीके से ऑटो के लाइसेंस ट्रांसफर किए जा रहे हैं। पार्टी सचिव सुरेन्द्र कोहली ने दिल्ली सरकार से मांग की है।

इस आदमी ने बिना हॉर्न बजाएं 18 साल चलाई गाड़ी!

नई दिल्ली। अगर आप गाड़ी चलाते हैं तो हॉर्न बजाने से नहीं चूकते होंगे। जाहिर सी बात है कि कभी न कभी तो हॉर्न बजाने की जरूरत पड़ ही जाती है। लेकिन कोलकाता में एक ऐसा शख्स है जिन्होंने बिना हॉर्न बजाए 18 साल बिता दिए। जी हां! आपको जानकर आश्चर्य होगा लेकिन कोलकाता के दीपक दास ने ये कारनामा कर दिखाया। जिसके बाद उन्हें मानुष सम्मान से नवाजा गया। 51 साल के दास को ऐसा करने की तब सूजी जब वह मशहूर बांग्ला कवि जीवनानंद दास द्वारा रचित प्रकृति में शांति का जश्न मनाने की कविता पढ़ रहे थे। दास का कहना है कि बिना हॉर्न बजाए आप असल में ध्यान केंद्रित कर सुरक्षित तरीके से गाड़ी चला सकते हैं। कहा कि एक बार मैं एक पैसेंजर को गोल्फ ग्रीन एरिया में ड्रॉप करने के बाद स्कूल के सामने आराम कर रहा था।

कालकाजी टू बॉटेनिकल गार्डन का सफर तय होगा 19 मिनट में

25 दिसंबर को प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल सिग्नलिंग प्रौद्योगिकी से 90 सेकंड की आवृत्ति में स्टेशन पर आ सकेगी ट्रेन मजंटा लाइन में डीएमआरसी पहली बार करेगा पीएसडी, हाइटेक सिग्नलिंग का इस्तेमाल

नई दिल्ली/नोएडा (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के कालकाजी को नोएडा से जोड़ने वाली दिल्ली मेट्रो की नई मजंटा लाइन में कई नई तकनीक का पहली बार इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें ट्रेनों के संचालन के लिए पहली बार प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स (पीएसडी) और उच्च तकनीक वाली सिग्नलिंग पण्राली का इस्तेमाल होगा। इस लाइन के चालू होने के पूर्व शुक्रवार को इसका प्रिव्यू किया गया।डीएमआरसी के मुख्य प्रवक्ता अनुज दयाल ने कहा कि इस लाइन के हिस्से में कई ऐसी खूबियां हैं जिनका इस्तेमाल मेट्रो पहली बार कर रहा है। प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स (पीएसडी) का यहां पहली बार इस्तेमाल किया जा रहा है। पीएसडी शीशे की बनी स्क्रीन होती है जिन्हें प्लेटफॉर्म के किनारे लगाया जाता है जो तभी खुलती हैं जब ट्रेन स्टेशन पर आती है और ट्रेन के स्टेशन से रवाना होते ही ये दरवाजे फिर बंद हो जाते हैं। इन्हें यात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से लगाया गया है। नई तकनीक के अलावा, कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) सिग्नलिंग प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जायेगा जिससे ट्रेनों के 90 से 100 सेकंड की आवृत्ति में स्टेशन पर आने की सुविधा मिल सकेगी। क्रि समस पर मेगा लॉन्च से पहले कॉरीडोर के प्रिव्यू के बाद वह संवाददाताओं से बात कर रहे थे। मजेंटा लाइन 38.23 किलोमीटर लंबी यह बोटेनिकल गार्डन से जनकपुरी वेस्ट तक जाएगी। इसके पहले भाग का उद्घाटन 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। इस रूट पर नोएडा से इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा जाने वाले मुसाफिर एयर पोर्ट लिंक तक जा सकेंगे। इसके अलावा फरीदाबाद व गुड़गाव जाने के लिए कालकाजी और हौजखास पर ट्रेन बदल सकते हैं। 12.64 किलोमीटर रूट पर दो इंटरचेंज है, जबकि एनसीआर में बोटेनिकल गार्डन पहला इंटरचेंज बन गया है।सौर ऊर्जा से लेस है मजेंटा लाइन के नौ मेट्रो स्टेशन : इन अनुभाग के नौ स्टेशनों को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा प्लेटिनम के तौर पर प्रमाणित किया गया है। इनकी छत पर 908 किलोवाट के सौर सयंत्र लगाए गए है। इसके अलावा ऊर्जा के संरक्षण तथा कार्बन डाई आक्साइड की अधिक बचत, पानी की बचत, अपशिष्ट प्रबंध, ऊर्जा प्रबंधन और स्टेशन बाक्स के साइज में कमी लाने के लिए अनुकूल के विशेष प्रावधान के साथ बनाए गए है। लिहाजा इसके निर्माण में कम सामग्री का प्रयोग किया गया है।

बोटेनिकल गार्डन बना एनसीआर का पहला इंटरचेंज : बोटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन एनसीआर का पहला इंटरचेंज बन गया है। ब्लू लाइन को जोड़ने के लिए एलिवेटेड प्लेटफार्म को तीन स्थानों से इंटर कनेक्ट किया गया है, वहीं प्रथम तल पर दो स्थानों से इंटरकनेक्ट किया गया है। मजेंटा लाइन के प्लेटफार्म पर प्रवेश के लिए 12 प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। मजेंटा लाइन पर टोकन लेने के लिए पांच टोकन वेडिंग मशीन लगाने के अलावा अलग से काउंटर बनाए गए हैं। इसके साथ मजेंटा लाइन के प्लेटफार्म पर ही आपातकालीन सेवा के लिए काउंटर बनाए गए हैं। मजंटा लाइन की मेट्रो में सुरक्षा के लिहाज से प्रत्येक कोच के अंदर चार और बाहर दो-दो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। ट्रेन में तीन रंग की चेयर के साथ प्रत्येक कोच में 40 से 50 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। प्रत्येक कोच के गेट पर इमरजेंसी बटन भी हैं। - डीएमआरसी की यह पहली मेट्रो लाइन है जो स्टैंर्डड गेज पर आधारित है। यह ट्रैक ब्लू लाइन से अलग है। ब्लू लाइन ब्रॉडगेज पर आधारित है। स्टैंर्डड गेज होने से मेट्रो के अंदर मुसाफिरों को अधिक स्थान मिलेगा। यानी इसकी क्षमता काफी ज्यादा होगी।

रोहिणी आश्रम के संस्थापक का पता लगाए सीबीआई : हाईकोर्ट

खुद को कृष्ण का अवतार बताता है बाबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सीबीआई को आदेश दिया कि वह उत्तरी दिल्ली स्थित उस आश्रम के संस्थापक का पता लगाए जहां लड़कियों को कथित रूप से अवैध तरीके से बंधक बनाकर रखा गया।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने आदेश दिया कि उत्तरी दिल्ली के रोहिणी स्थित आध्यात्मिक विविद्यालय के संस्थापक वीरेंद्र देव दीक्षित को चार जनवरी से पहले उसके सामने पेश किया जाए। अदालत ने बृहस्पतिवार को आश्रम के इन दावों पर संदेह जताया था कि वहां महिलाएं बंधक नहीं थी। अदालत ने कहा कि यदि महिलाएं वहां स्वतंत्र थीं तो उन्हें तालाबंद दरवाजों के पीछे क्यों रखा गया था। पीठ ने यह भी पूछा था कि यदि आश्रम के संस्थापक और आध्यात्मिक प्रमुख सच्चे और ईमानदार हैं तो वह पेश क्यों नहीं हो रहे। साथ ही पीठ ने आश्रम की वित्तीय जानकारी भी मांगी और पूछा कि संस्थान के संचालन के लिए पैसा कहां से प्राप्त होता है। इससे पहले अदालत ने आश्रम में बच्चियों और महिलाओं को कथित रूप से बंधक बनाकर रखे जाने के मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। यह दावा किया गया कि आध्यात्मिक विविद्यालय में उन्हें जानवरों की तरह लोहे की सलाखों के पीछे रखा गया था और वे कांटेदार बाड़े से घिरी हुई थीं।

पीठ ने मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए सीबीआई निदेशक से कहा कि वह विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करे जो मामले संबंधी सभी रिकॉर्ड और दस्तावेज का प्रभार संभाले। अदालत ने गैर सरकारी संगठन फाउंडेशन फॉर सोशल इम्पावरमेंट की जनहित याचिका पर आदेश पारित किया था जिसने अदालत को बताया कि कई नाबालिगों और महिलाओं को यहां आध्यात्मिक विविद्यालय में बंधक बनाकर रखा गया था और उन्हें अपने माता-पिता से भी मिलने की अनुमति नहीं थी। इसके बाद अदालत ने संस्थान के परिसरों की जांच के लिए तत्काल एक समिति गठित थी जिसमें वकील और दिल्ली महिला आयोग प्रमुख स्वाति मालीवाल शामिल हैं। समिति ने 100 से अधिक लड़कियों एवं महिलाओं के अत्यंत खराब हालत में रहने की जानकारी देते हुए एक रिपोर्ट दी। समिति ने यह भी आरोप लगाया कि आध्यात्मिक विविद्यालय में लड़कियों एवं महिलाओं को जानवरों की तरह रखा गया और उन्हें नहाने के दौरान भी कोई निजता प्राप्त नहीं थी।

आश्रम और इससे जुड़ी इमारत की फिर से जांच करने वाले पैनल ने को कहा कि 30 से अधिक मोबाइल फोन जब्त किए गए और उन्होंने अदालत से उस कमरे को सील करने के आदेश दिए जाने की अपील की जहां उन्हें संदूक और अन्य दस्तावेज मिले जिनसे पुख्ता सबूत मिल सकते हैं।

शिक्षक की आंख पर आई गहरी चोटें

नशेबाजी रोकने पर छात्रों ने शिक्षक को पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजकीय विद्यालय के एक छात्र ने नशीला पदार्थ लेने से रोकने वाले शिक्षक की पिटाई कर दी। शिक्षक को दाई आंख पर गंभीर चोटे आई हैं और उसे अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। मामला सागरपुर स्थित सरकारी स्कूल नम्बर-2 का है, आरोपी बारहवीं कक्षा का छात्र है। पीड़ित इसी विद्यालय में वाणिज्य के अध्यापक हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक केस दर्ज कर सागरपुर थान पुलिस ने छात्र को हिरासत में ले लिया है। राजकीय विद्यालय शिक्षक संघ के महासचिव अजय वीर यादव ने बताया कि बृहस्पतिवार को सागरपुर विद्यालय नम्बर-2 के छात्रों को दिल्ली भ्रमण के के लिए टूर पर ले जाया गया था। टूर में कुछ छात्रों ने शराब आदि का सेवन किया तथा घर पर अनुशासनहीनता की। कॉमर्स शिक्षक सुरेश कुमार यादव ने छात्रों को ऐसा करने को रोका तो उन्होने उपद्रव भी किया। इसके बाद छात्रों ने योजना बनाकर शुक्रवार को स्कूल शुरू होते ही शिक्षक की लात घूसों से पिटाई कर शुरू कर दी। घटना केसमय जिले केउप-शिक्षा निदेशक सहित दो अन्य स्कूलों के प्रिंसिपल भी वहां मौजूद थे। कामर्स के शिक्षक यादव के मुताबिक जिस तरह से शिक्षकों पर हमले किए जा रहे हैं, उसको लेकर सरकार ने कोई कदम नहीं उठाए तो शिक्षण कार्य का बहिष्कार किया जाएगा।

हमारी सोच देश व समाज हित में होनी चाहिए : नायडू

नई दिल्ली। आईईसीसी में सात हजार सीटों वाला एक प्लेनरी हॉल, तीन हजार सीटों वाला एम्फीथियेटर, दो ऑडिटोरियम, 22 सम्मेलन कक्ष और एक बिजनेस सेंटर बनाया जाएगाउपराष्ट्रपति ने प्रगति मैदान के आसपास निर्बाध यातायात की समेकित ट्रांजिट गलियारा विकास परियोजना का भी शिलान्यास किया। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को कहा कि हमारी सोच नई तथा देश और समाज हित में होनी चाहिए। भारत मौजूदा समय में दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया के अन्य देशों की अर्थव्यवस्था में मंदी चल रही है। आज हम ''नए भारत' की ओर जा रहे हैं। हमारी सोच नई होनी चाहिए। हमें देश और समाज के हित में सोचना चाहिए। श्री नायडू शुक्रवार को प्रगति मैदान में विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र के शिलान्यास के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। साथ ही उन्होंने प्रगति मैदान के आसपास निर्बाध यातायात की समेकित ट्रांजिट गलियारा विकास परियोजना का भी शिलान्यास किया। जिसके तहत एक सुरंग और कई अंडरपास के माध्यम से प्रगति मैदान के आसपास के पूरे इलाके को सिग्नल फ्री बनाया जाएगा। प्रगति मैदान के सभी पुरानें हॉलों को तोड़कर इसे नये भव्य एवं विस्तृत रूप में बनाया जा रहा है।विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) में सात हजार सीटों वाला एक प्लेनरी हॉल, तीन हजार सीटों वाला एम्फीथियेटर, दो ऑडिटोरियम, 22 सम्मेलन कक्ष और एक बिजनेस सेंटर बनाया जाएगा। नए केंद्र का निर्माण सितंबर 2019 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें जी-20 देशों की बैठक जैसे आयोजनों के लिए विशेष बैठक कक्ष होंगे। इसका डिजाइन में संसद भवन और राष्ट्रपति भवन का मिशण्र होगा। प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन से प्रगति मैदान तक स्काई वाक भी बनाया जाएगा ताकि लोग मेट्रो स्टेशन से सीधे आईईसीसी पहुंच सकें। एम्फीथेयटर का खुला स्टेज पानी के बड़े पूल में बना होगा जिसके पार्श्व में रंग-बिरंगी लेजर किरणों की भी व्यवस्था होगी। दो ऑडिटोरियमों की क्षमता 600 और 900 सीटों की होगी। बाइस सम्मेलन कक्ष 50 से 500 सीटों वाले होंगे। इनके अलावा बिजनेस सेंटर, खाने-पीने का आउटलेट अंडरग्राउंड कार पार्किंग, भूतल पर 250 कारों की पार्किंग, सामान घर, भंडार घर और चिकित्सा कक्ष की सुविधा भी परिसर में होगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा कि बढ़ते व्यापार के मद्देनजर हमें नए समाधानों की जरूरत होगी। कई नई कंपनियों के लिए अपने उत्पादों के प्रदर्शन के लिए नया केंद्र कारगर होगा। उन्होंने कहा कि आईईसीसी परियोजना ही अपने-आप में एक उदाहरण है कि आने वाला भारत कैसा होगा। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामले मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत में आजादी से पहले से ही अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हो रहे हैं और यहां कई बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन भी किए गए हैं, लेकिन, विस्तृत होती दुनिया में देशों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर पिछले कुछ समय में इस तरह के आयोजनों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी महसूस की जा रही थी। नए केंद्र के निर्माण से अब यह कमी दूर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि शहरी विकास मंत्रालय पूरी तरह से इन परियोजनाओं के लिए धन मुहैया करा रहा है। पूरी लागत का 80 प्रतिशत यानी 739 करोड़ रपए शहरी विकास कोष से दिये गये हैं। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री सीआर चौधरी ने कहा कि सरकारी योजनाएं तभी गति पकड़ेंगी जब व्यापार का विकास होगा और निवेश आएगा। इसलिए मौजूदा सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर जोर दे रही है। भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एलसी गोयल ने कहा कि दिसम्बर 2015 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रगति मैदान के पुनरेद्धार का निर्देश दिया था। तब से इस परियोजना के सामने कई चुनौतियां आयी हैं, लेकिन उनका सामना कर समाधान निकाले गये। परियोजना में कई नए प्रयोग करने के कारण इसके काम में आठ से 10 महीने का समय बचेगा।

अब खुलकर सामने आने लगी है प्रदेश भाजपा में आपसी खींचतान

सांसद को भी नहीं पता पार्टी की रणनीति

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा के नेताओं की आपसी खींचतान अब खुलकर बाहर आने लगी है। स्थिति यह हो गई कि पार्टी के बड़े नेताओं को भी नहीं पता कि उन्हें दिल्ली सरकार के विरुद्ध क्या रणनीति अपनानी है। सूत्रों की मानें तो शुक्रवार की बैठक में पार्टी के एक सांसद ने प्रदेश अध्यक्ष से पूछ ही लिया कि मैक्स के मामले में पार्टी की क्या रणनीति है। जबकि पार्टी के दो मोर्चो ने शुक्रवार को ही मुख्यमंत्री के विरुद्ध प्रदर्शन किया है और 23 दिसम्बर यानी शनिवार को दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी मुख्यमंत्री के विरुद्ध प्रदर्शन की घोषणा कर चुके हैं। प्रदेश भाजपा की शुक्रवार को बैठक थी। बैठक में सभी पदाधिकारियों के अलावा कार्यकारिणी के सदस्य भी थे। बैठक में राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा चल रही थी। इसी बीच पार्टी के एक सांसद ने प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी से पूछा कि मैक्स के मामले में पार्टी की क्या रणनीति है। सांसद का यह भी तर्क था कि प्रदेश की रणनीति साफ न होने से पार्टी कार्यकर्ता भ्रम की स्थिति में हैं। इससे कहीं न कहीं पार्टी को नुकसान भी हो रहा है। सांसद के सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष ने बड़ी सादगी से जबाव दिया कि वह प्रेस कॉफ्रेंस करके पार्टी की रणनीति का खुलासा कर चुके हैं और आज भी पार्टी उसी रणनीति पर कायम है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि आप लोग व्यस्त रहते हैं। इस वजह से प्रेस कॉफ्रेंस आदि में शामिल नहीं हो पाते हैं। उनका आग्रह है कि वह पार्टी की ओर से जारी विज्ञप्तियों एवं प्रेस कॉफ्रेंस को जरूर फोलो करें। इससे पूरी स्थिति साफ रहेगी।

आईआईटी कैंपस प्लेसमेंट के पहले चरण में 35 छात्रों को विदेश जाने का ऑफर

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के कैंपस प्लेसमेंट के पहले चरण में 35 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से ऑफर मिले, जिन्हे सिंगापुर, एम्र्सटडम, हांगकांग, जापान, दक्षिण कोरिया और यूएसए की कंपनियों ने नियुक्तियां दी। पहला चरण गत एक दिसंबर से शुरू हुआ था। वहीं आईआईटी कैंपस प्लेसमेंट के दूसरे चरण में 100 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी, दूसरा चरण आगामी जनवरी में शुरू होकर मई तक चलेगा। संस्थान की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि दिसम्बर में हुए पहले चरण के लिए 300 कंपनियों ने 500 से अधिक प्रोफाइलों के लिये संस्थान के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट पोर्टल पर कैंपस प्लेसमेंट में हिस्सा लेने के रजिर्स्टड कराया था। इनमें से 230 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया और 370 छात्रों को अलग-अलग क्षेत्र के लिए नियुक्ति दी गई। इस साल के प्लेसमेंट में समेकित वर्ग के लिए पंजीकरण में 15 प्रतिशत और स्नातकोत्तर स्तर पर प्लेसमेंट में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। संस्थान की ओर से दिए गए।

मनुष्य का सबसे बड़ा यदि कोई शत्रु है तो वह है उसका अज्ञान -चाणक्य

विवादास्पद मुद्दों का समाधान

पढ़ने और सुनने में किसी को भी पाक सेना के प्रमुख कमर जावेद बाजवा का यह बयान सकारात्मक लग सकता है कि वे भारत के साथ बातचीत के जरिए विवादास्पद मुद्दों का समाधान निकालने के पक्षधर हैं। उन्होंने पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन सीनेट को सुरक्षा स्थिति और क्षेत्रीय मुद्दों पर ब्रीफ करते हुए यह भी कहा कि सरकार की भारत के साथ बातचीत का सेना सरकार का समर्थन करेगी। पाकिस्तान की सरकार की ओर से भी समय-समय पर भारत से संबंध बेहतर करने की बात आती रहती है, लेकिन बेहतर संबंध बनाने की जो बनियादी शर्त है, उससे इस्लामाबाद पीछे हट जाता है। भारत का रुख साफहै। वह चाहता है कि पाकिस्तान अपनी धरती से सक्रिय आतंकवादी समूहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाईकरे। लेकिन इस्लामाबाद इसके लिए कभी राजी नहीं होता। बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहता है। गौर करने वाली बात है कि जब पाक सेना प्रमुख अपने देश की संसद में भारत के साथशांति वार्ता का समर्थन कर रहे थे, ठीक उसी दौरान संयुक्त राष्ट्र में पाक की स्थायी प्रतिनिधि मलीहा लोदी ने एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठा रही थीं। ताज्जुब तो यह है कि मलीहा ने कश्मीर के मुद्दे को फिलस्तीन के संकट से जोड़ते हुए विश्व समुदाय को भी इन मसलों पर मूकदर्शक बना रहने के लिए कठघरे में खड़ा किया। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान की कथनी और करनी में कितना फर्क है। फिर भी, पाक सेना प्रमुख बाजवा ने भारत के साथ अच्छे रिश्ते बनाने की पहल की है, तो इसका कुछराजनीतिक अर्थ जरूर होगा। पिछले कुछदिनों से कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना की सघन कार्रवाई से आतंकवादियों का हौसला पस्त हुआ है। हाफिज सईद के मसले पर भारत की सफल कूटनीति के कारण भी पाकिस्तान को विश्व बिरादरी के सामने शर्मिंदगी झेलनी पड़ रही है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि पाक सेना प्रमुख का नई दिल्ली के साथ शांति वार्ता के समर्थन के पीछे यह दबाव काम कर रहा होगा। पाकिस्तान की सेना, सरकार और आईएसआई को अच्छे से समझ लेना होगा कि भारत की मूल समस्या आतंकवाद है, और जब तक पाकिस्तान अपनी धरती से इनका सफाया नहीं करेगा, तब तक दोनों देशों के बीच स्थायी शांति कायम नहीं हो सकती।

पर्यावरण प्रदूषण

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु की गुणवत्ता का स्तर एक बार फिर "सीवियर' यानी बेहद गंभीर हो गया है। बृहस्पतिवार को दिल्ली का एक्यूआई 469 जबकि गाजियाबाद व नोएडा का एक्यूआई अधिकतम 500 के स्तर पर रिकॉर्ड किया गया। कुछ दिनों के अंतराल पर दिल्ली-एनसीआर के मौसम में कुछ ऐसी ही जहर घुल जाती है। जब प्रकृति मेहरबान होती है तो हालात थोड़े बेहतर हो जाते हैं लेकिन फिर जनता की लापरवाही और सरकार की हीलाहवाली के चलते पूरा इलाका जहरीली गैस चेंबर में बदल जाता है। बृहस्पतिवार को हालात इतने खतरनाक स्तर तक पहुंच गए कि पर्यावरण प्रदूषण नियंतण्रप्राधिकरण (ईपीसीए) ने भी दिल्ली और एनसीआर के सभी राज्यों को सतर्क करने के निर्देश दे दिए। इसका सीधा मतलब है कि सभी को स्मॉग से निपटने की तैयारियां शुरू करने को कह दिया गया है। लेकिन यह कलाबाजी तो कई सालों से की जा रही है। कई बार प्रदूषण के स्तर को सुधारने की कोशिशें की गई लेकिन कोई खास फायदा नहीं हुआ। सबसे बड़ी मगजमारी अब भी यही है कि आखिर इसका हल कैसे निकाला जाए? ऐसा क्या किया जाए, जिससे यह पूरा क्षेत्र गैस चेंबर में न बदले और यहां के लोग भी शुद्ध हवा का सेवन कर सकें। चूंकि, पर्यावरण को निर्देशित करने के लिए कई सारी एजेंसियां कार्यरत हैं, सो एक होकर एक्शन लेने में सभी संस्थाओं को काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ता है। एक सलाह यह भी दी जा रही है कि दिल्ली-एनसीआर के कोयला आधारित उद्योग पूरी तरह से बंद किए जाएं। साथ ही ऑड-ईवन फार्मूले का भी सहारा लेने की बात भी कही जा रही है। लेकिन असली सवाल यही है कि इन सब उपायों से ज्यादा अहम जनता की जागरूकता है। जब तक जनता में पर्यावरण को स्वच्छ रखने का नैतिक बोध जागृत नहीं होगा, तब तक बाकी उपाय तो सतही ही कहे जाएंगे। एक दिन पहले की स्थिति जब दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता इंडेक्स (एक्यूआई) 469 तक जा पहुंचा। साथ ही सुबह सात बजे तक राजधानी दिल्ली में पीएम 2.5 का स्तर 300 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पार कर गया। चिंताजनक बात यह है कि जब भी वायु की गुणवत्ता गंभीर हालात कोछूने लगती है, तभी बरसाती मेढ़क की तरह सुझाव भी आने लगते हैं। यह बंद होना चाहिए। अगर कोई सुधार युक्तिसंगत तरीके से नहीं हो पा रहा है तो सरकार को सख्ती का रास्ता भी अपनाने में संकोच नहीं करना होगा। आखिर यह भावी पीढ़ी का सवाल है।

सत्संग

भय

तुम्हारे सारे भय तादात्म्य की उपज हैं। तुम किसी स्त्री से प्रेम करते हो और प्रेम के साथ, उसी पैकेज में भय आता है: कि वह तुम्हें छोड़ देगी। वह पहले भी किसी को छोड़ चुकी है और फिर तुम्हारे साथ आई है। ऐसा घटा है; शायद वह तुहारे साथ ऐसा ही करे। भय लगता है, पेट में गांठें पैदा होती हैं। तुम अत्यधिक जुड़े हुए हो। एक छोटी सी बात तुम्हारी समझ में नहीं आती कि तुम इस दुनिया में अकेले आए हो, तुम यहां पर कल भी थे, बिना इस स्त्री के, भले-चंगे, पेट में किसी गांठ के बगैर और कल को अगर यह स्त्री चली जाए तो गांठों की जरूरत क्या है? तुम जानते हो उसके बिना कैसे जीना और तुम उसके बगैर मजे से जीओगे। यह भय कि कल चीजें बदल जाएंगीं, कोई मर जाएगा, तुम्हारा दिवाला निकल जाएगा, तुम्हारी नौकरी छिन जाएगी। हजारों चीजें ऐसी हैं, जो बदल सकती हैं। तुम ज्यादा से ज्यादा भयों के नीचे दब जाते हो। और उनमें से कोई भी असली कारण नहीं है। क्योंकि कल भी तुम इन्हीं भय से भरे थे, व्यर्थ ही। चीजें बदल गई हों लेकिन तुम अभी भी जिंदा हो। मनुष्य के पास बहुत बड़ी क्षमता है किसी भी स्थिति से तालमेल करने की। कहते हैं, केवल मनुष्य और तिलचट्टे में तालमेल करने की अपरिसीम क्षमता है। इसीलिए जहां आदमी मिलेगा वहां तिलचट्टा मिलेगा। और जहां तिलचट्टा मिलेगा वहां आदमी मिलेगा। वे एक साथ होते हैं, उनमें समानता है। सुदूर क्षेत्रों में जैसे कि उत्तर धृव या दक्षिण ध्रुव। जब मनुष्य इन स्थानों में गया, उसे अचानक पता चला कि वह अपने साथ तिलचट्टे लाया है। और वे पूरी तरह से स्वस्थ और जीवित थे और प्रजनन कर रहे थे। अगर तुम पृवी पर नजर डालो तो देखोगे कि मनुष्य हजार तरह की विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों में, मौसमों में, राजनैतिक और सामाजिक स्थितियों में, धार्मिक वातावरणों में जीता है; लेकिन वह जी लेता है। और वह सदियों से जीता चला आया है, चीजें बदल जाती हैं, लेकिन वह स्वयं को समायोजित करता चला जाता है। डरने की कोई जरूरत नहीं है। यह दुनिया भी डूब जाए तो क्या? क्या तुम सोचते हो कि तुम एक द्वीप पर खड़े रहोगे और दुनिया विनष्ट हो जाएगी सिर्फ तुम्हें छोड़कर? फिक्र मत करो, कम-से-कम तुम्हारे साथ कुछ तिलचट्टे तो होंगे ही। अगर दुनिया खत्म हो जाए तो समस्या क्या है? मुझसे यह कई बार पूछा गया है। लेकिन समस्या क्या है? अगर वह खत्म होती है तो होती है। उसमें कोई समस्या नहीं है।

कौन सच्चा कौन झूठा

भाजपा ही नहीं सभी ``बाहरी' दल अपनी जगह तलाश रहे हैं। पर मुल्क की राजनीति भी महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है। गुजरात ने भाजपा को जो संदेश दिया है, उसमें वह भी ज्यादा मनमानी नहीं कर सकती हैं आर्थिक घोटालों का सरताज कहे जा सकने वाले टू जी स्पेक्ट्रम नीलामी मामले का जो कानूनी अंजाम 21 दिसम्बर को आया उससे देश हैरान है। कानून और अदालतों के सच और विद्रूप पर बनी फिल्म ``जॉली एलएलबी' के गुगगुदाते संवादों से भी ज्यादा दिलचस्प बयानों के साथ जब सीबीआई की विशेष अदालत के जज ओ.पी. सैनी ने फैसला सुनाया तो न सिर्फ सारे अभियुक्तों को एक बार में बरी कर दिया बल्कि सारे मामले को भी रफा-दफा कर दिया।

सतीश पेडणोकर

एक तो जिस दिन अदालत का फैसला आया ठीक उसी दिन स्व. जयललिता के आरके नगर निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव था। वहां इस फैसले की गूंज तत्काल सुनाई दी। देखना होगा कि जयललिता की पारंपरिक सीट किसके हाथ जाती है। तमिलनाडु की राजनीति आज वैसे एक नये मोड़ पर है। भाजपा ही नहीं सभी ''बाहरी' दल अपनी जगह तलाश रहे हैं। पर मुल्क की राजनीति भी महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है। गुजरात ने भाजपा को जो संदेश दिया है, उसमें वह भी ज्यादा मनमानी नहीं कर सकती हैं आर्थिक घोटालों का सरताज कहे जा सकने वाले टू जी स्पेक्ट्रम नीलामी मामले का जो कानूनी अंजाम 21 दिसम्बर को आया उससे देश हैरान है।

कानून और अदालतों के सच और विद्रूप पर बनी फिल्म ''जॉली एलएलबी' के गुगगुदाते संवादों से भी ज्यादा दिलचस्प बयानों के साथ जब सीबीआई की विशेष अदालत के जज ओ.पी. सैनी ने फैसला सुनाया तो न सिर्फ सारे अभियुक्तों को एक बार में बरी कर दिया बल्कि सारे मामले को भी रफा-दफा कर दिया। मैं तो छुट्टियों में भी बैठकर सबूत आने का इंतजार करता रहा पर कोई ठोस सबूत न आया जैसा बयान देकर उन्होंने आगे के लिए भी केस को न ठहरने वाला बना दिया है। महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में 1,76,0000000000 अर्थात एक लाख 76 हजार करोड़ रुपये के घोटाले को जब सीबीआई भारी हंगामे और सीधे सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अदालत में ले आई थी तभी यह मामला 30984 करोड रु पये का ही रह गया था। अब न घोटाला हुआ, न पैसों का लेनदेन हुआ, न सरकारी धन की लूट हुई, न किसी को नाजायज लाभ मिला। अदालती फैसले का व्यावहारिक मतलब है कि न तो टू जी स्पेक्ट्रम के आवंटन में अनियमितता हुआ, न किसी एस्सार ने फर्जी कम्पनियां बनवाकर लाइसेंस हासिल किए, न इस पक्षपात के लिए डी.राजा और कनिमोझी जैसे नेताओं को लाभ पहुंचाया गया, न किसी अधिकारी ने तय छुपाए, न 2000 के रेट पर 2008 में आवंटन हुआ।

यह व्यावहारिक मतलब ही है, वरना अदालत ने इन गडबड़ियों की तरफ संकेत किया है, शीर्ष अधिकारियों पर शक किया ह। पर कुल मिलाकर यह मामला टांय-टांय फिस्स हो गया है। सीबीआई के मनोबल का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है क्योंकि अब असली अपराधी वही बन गई है, जबकि उसने यह काम सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से हाथ में लिया था। हालांकि अदालती फैसला आने के बाद हाईकोर्ट जाने की घोषणा की गई है, पर वहां सीबीआई किस तरह से नये सबूत जुटाएगी यह समझना मुश्किल है। और यह बात सरकार के नजरिये पर भी निर्भर करेगी क्योंकि अब उसका स्वार्थ पहले की तरह मामले को तेजी से चलाना और कांग्रेस और उसके राजनैतिक दोस्तों को घेरना नहीं रह गया है। बल्कि जिस द्रमुक के लोगों को मुख्य अपराधी बताया जा रहा था उससे दोस्ती की पहल हो चुकी है। यह फैसला इस नई दोस्ती को मजबूती दे सकता है। जिसे हम आप और दुनिया एक बड़ा आर्थिक अपराध मान रही थी, वह इस फैसले के बाद मुख्यत: एक राजनैतिक मसला बनकर रह जाए तो हैरानी न होगी। अदालत का फैसला आने के आधे घंटे के अंदर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम समेत सारे प्रमुख कांग्रेसी नेता सामने आ गए, कनिमोझी, के. स्टालिन और ए. राजा जश्न मनाने लगे और केंद्रीय वित्त मंत्री समेत भाजपाई समूह भी मैदान में आ डटा, वह बताता है कि मामले के राजनैतिक लाभ घाटे का हिसाब अभी भी चल रहा है। इसमे वह अन्ना हजारे, प्रशांत भूषण और अरविंद केजरीवाल नहीं दिखे जिन्होंने इस प्रकरण का पर्याप्त राजनैतिक लाभ लिया पर आखिरी लड़ाई, अर्थात 2014 के लोक सभा चुनाव में भाजपा और नरेन्द्र मोदी के हाथों पिट गए। पर जिस आदमी का मौन सबसे ज्यादा अखर रहा था, वह थे पूर्व महालेखा परीक्षक विनोद राय, जो इस रिपोर्ट देने की मलाई देश के सबसे कमाऊ खेल संगठन का कर्ता-धर्ता बनकर खा रहे हैं। अब कोई यह हिसाब लगाए कि सरकारी विविद्यालय/अस्पताल में जिस कोर्स/इलाज की फीस दो हजार भी नहीं है वही चीज प्राइवेट संस्थान/अस्पताल में दो लाख में होती है। इस प्रकार सरकार सौ गुने नुकसान पर काम कर रही है। कहना न होगा कि सरकारी नुकसान का हिसाब लगाने का यह तरीका टू जी स्पेक्ट्रम नीलामी या कोयला ब्लाक आवंटन को बहुत बड़ा बना देता है, पर इस चक्कार में जो गड़बड़ हुई, जो अनियमितताएं हुई, जो संसाधनों की लूट-खसोट हुई, वह सवाल पीछे चला गया। अब किसी के लिए भी उसे साबित करके दोषियों को सजा दिलवाना प्राथमिकता नहीं रही। अदालत का काम सबूतों पर चलता है। उस पर किसी का ध्यान ही नहीं रहा। सीबीआई जैसी एजेंसियों का कसूर है कि उन्होंने अपना काम ईमानदारी से नहीं किया और वह भी इसी हंगामे और राजनैतिक लड़ाई का उपकरण बन गई। कायदे से उसे प्रशांत भूषण जैसे तेज-तर्रार वकीलों से सहयोग लेकर केस खड़ा करना था। उल्टे राजनैतिक कारणों से उसने ऐसे लोगों को दुश्मन मान लिया। केंद्र की सरकार चला रही भाजपा इसे कांग्रेस को घेरने का उपकरण बनाते हुए मामले को और तेजी से उठाती है या तमिलनाडु की राजनीति में पांव जमाने के लिए अन्नाद्रमुक की जगह द्रमुक की तरफमुड़ चुकी उसकी रणनीति इस अदालती फैसले को अपनी नई दोस्ती के लिए इस्तेमाल करेगी यह देखने की चीज होगा। नरेन्द्र मोदी और उनकी टोली 39 सांसदों वाले प्रदेश को जीतने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेगी। पर जिस सरकार पर टू जी के साथ कॉमनवेल्थ घोटाला, कोलगेट घोटाला, आदर्श सोसाइटी समेट जाने कितने घोटालों का आरोप लगा और जो सबसे बदनाम होकर विदा हुई, उसने हर मामले की जांच की पहल की, अपने मंत्री तक को जेल भेजा, अन्य आरोपितों के खिलाफभी कार्रवाई की तो भी उसे राजनीतिक पराजय का मुंह देखना पड़ा। अगले कुछ दिन बहुत दिलचस्प होने वाले हैं। एक तो जिस दिन अदालत का फैसला आया ठीक उसी दिन स्व. जयललिता के आरके नगर निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव था। वहां इस फैसले की गूंज तत्काल सुनाई दी। एक तो देखना होगा कि जयललिता की पारंपरिक सीट किसके हाथ जाती है। तमिलनाडु की राजनीति आज वैसे एक नये मोड़ पर है। भाजपा ही नहीं सभी ''बाहरी' दल अपनी जगह तलाश रहे हैं। पर मुल्क की राजनीति भी महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है। गुजरात ने भाजपा को जिताते हुए जो संदेश दिया है, उसमें वह भी ज्यादा मनमानी नहीं कर सकती। टू जी ऐसा मुद्दा है, जिसको भाजपा आसानी से निकलने नहीं देगी। पर अदालत के फैसले के बाद उसे संभाल लेना भी आसान नहीं है।

चलते चलते

महत्तवपूर्ण फैसल

पांच साल के अपने एक्शन से भरपूर कार्यकाल में जस्टिस कुमार ने देश में पर्यावरण को दुरुस्त करने के वास्ते कई महत्त्वपूरण फैसले लिये, जिसकी देश भर में सराहना हुई। हां, कुछ हलकों में उनके कदम को इस संदर्भ में गलत माना गया कि ऐसी कोई संस्था इतने सख्त फैसले ले भी सकती है क्या? आशय यही कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली महीन-से-महीन कारतूतों पर एनजीटी की न केवल नजर रहती थी।

कास को पागल बताने वाले आखिरकार गुजरात में पिट गए। और क्यों न पिटते जब देश इतनी तेजी से तरक्की कर रहा है? तेजी से तरक्की कर रहा है तभी तो देश नये-नये एंटी-नेशनल खोज कर निकाल रहा है। एकदम ताजा और गर्मागर्म एंटी नेशनल हैं-विराट कोहली और अनुष्का शर्मा। उन्होंने इटली में जाकर शादी जो की है। मप्र प्रदेश के खाकी पार्टी के विधायक, पन्नालाल शाक्य ने एकदम सही कहा। विराट और अनुष्का ने भारत वर्ष में करोड़ों रुपये कमाए और शादी में खर्च करने के लिए इटली चले गए! यह कहां की भारत भक्ति हुई? उन्हें भारत में विवाह करने के लिए क्या कोई जगह ही नहीं मिली? यह वही धरती है जहां राम का विवाह हुआ, कृष्ण का विवाह हुआ, विक्रमादित्य का, युधिष्ठर का विवाह हुआ। क्या उनके विवाह किसी से घटकर थे। फिर इनके विवाह में तो लव जेहाद का कोई एंगल भी नहीं था। इसकी आशंका ही नहीं थी कि हादिया की तरह घर वाले भांजी मार देंगे और अदालत सीबीआइ जांच करा डालेगी। फिर भी इटली में जाकर फेरे लिये। यह एंटी-नेशनलता नहीं तो और क्या है? लेकिन, प्रगति कोई एंटी-नेशनलता में ही नहीं हो रही है। माना कि अब नये-नये ढंग के एंटी-नेशनल पैदा हो रहे हैं। तिरंगे को सलामी नहीं दी-एंटी नेशनल। सिनेमा हॉल में राष्ट्रगान में खड़े नहीं हुए-एंटी नेशनल। वंदे मातरम नहीं गया-एंटी नेशनल। हाजिरी में जय हिन्द नहीं कहा-एंटी नेशनल। गाय को माता नहीं माना-एंटी नेशनल। जातिवाद को बुरा कहा-एंटी नेशनल। छप्पन इंच की छाती पर भरोसा नहीं किया-एंटी नेशनल, आदि। फिर भी प्रगति सिर्फ एंटी-नेशलता के मामले में ही नहीं हो रही है। जेहाद के मामले में भी प्रगति हो रही है। लव जेहाद, शिक्षा जेहाद आदि आदि के बाद, अब मेरठ में भूमि जेहाद हो गया। वैसे हमारी समझ में यह नहीं आया कि यह जमीन जेहाद का मामला क्यों हुआ, मकान जेहाद का क्यों नहीं? आखिर, मामला तो एक मुसलमान के किसी हिन्दू का घर खरीद लेने का ही था! पीएम खुद विराट-अनुष्का के रिसेप्शन में पहुंच गए, इसका पन्नालाल शाक्य को कोई उलाहना नहीं दे। उनके पीएम तो भारत की धरती पर ही रिसेप्शन में शामिल हुए हैं।

फोटोग्राफी...

ग्लेशियर से बनी झील में लगाई डुबकी, बने हीरो

यह फोटो कनाडा की जॉफर लेक का है, जो ग्लेशियर के पानी से बनी है। इसका पानी इतना ठंडा होता है कि उसे छूने में भी परेशानी होती है।

वहां आसपार जॉफर पार्क भी है, इस कारण काफी संख्या में लोग सैर के लिए जाते हैं। यह फोटो ब्राजीली फोटोग्राफर कार्लोस लज़ारिनी के ऑटोमेटिक कैमरे से क्लिक हुआ है। वे पर्वतारोही भी हैं। उनका मानना है कि शी ऋतु भी उन्हें इस झील में डुबकी लगाने से नहीं रोक सकती। इस दृश्य के बारे में उन्होंने कहा कि वहां मेरे पीछे सैकड़ों स्थानीय व विदेशी पर्यटक खड़े थे, सभी मेरी डुबकी का इंतजार कर रहे थे। शायद वे मेरा साहस देखना चाहतेथे। जब मैं झील से निकल आया तो सभी ने मुझे चीयर किया, ऐसा लगा जैसे अपने राज्य की किसी टीम की जीत सुनिश्चित करने के लिए बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया हैं।

14.72 लाख लाइक्स व 6 हजार से अधिक प्रतिक्रियाएं इस पोस्ट को मिली हैं।

पूरे शहर में बर्फबारी, इसलिए मुख्य बाजार में सब एक साथ मनाएंगे क्रिसमस

यह फोटो एस्टोनिया की राजधानी तल्लीन शहर के ओल्ड टाउन का है, जहां क्रिसमस का विशेष बाजार सजा है। क्रिसमस का मुख्य सेलिब्रेशन यहीं होता है। पूरे शहर के लोग यहां एकत्र होते हैं क्योंकि शहर का सबसे बड़ा क्रिसमस ट्री यहीं स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते हैं, जिसमें बच्चों के समूह अपनी-अपनी प्रस्तुति देते हैं। उसके लिए बाजार में एक मंच लगा है। परंपरा के अनुसार यहां प्रत्येक वर्ष ऐसा किया जाता है। -उत्तरी यूरोप में बाल्टिक सागर के पास स्थित तल्लीन शहर में इन दिनों दोपहर का तापमान एक डिग्री सेल्सियस है जो दरात में माइनस 5-7 तक पहुंच जाता है। पूरा शहर बर्फ से घिरा है, इसलिए भी लोग ओल्ट टाउन के इस स्क्वॉयर तक आते हैं। 13वीं सदी की सेंट निकोलस चर्च शहर का मुख्यलैंडमार्क है। }instagram.com

भारत की चुनावी प्रक्रिया

निष्पक्ष चुनाव ही लोकतंत्र की सार्थकता का प्रमुख आधार हैं। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की चुनावी प्रक्रिया पर इन दिनों एक बार पुन: सवाल उठाए जा रहे हैं। हारे हुए दलों के नेता जीतने वाले दल पर यह आरोप लगा रहे हैं कि वोटिंग मशीनों में गड़बड़ी कराकर ही अमुक दल के प्रत्याशी चुनाव जीते हैं। पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश सहित देश के पांच राज्यों में चुनाव सम्पन्न हुए थे। तब भी यह सवाल उठाया गया था। पिछले महीने सम्पन्न हुए उत्तर प्रदेश नगर निकाय के चुनावों में भी यह बात उठी थी। तर्क था कि नगर निगम की सोलह में से चौदह सीटें भाजपा को कैसे मिल गई, जबकि नगरपालिका और नगर पंचायतों में अधिकांश जगहों पर भाजपा पराजित हुई है। नगर निगमों के चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से हुए थे, जबकि नगर पालिका और नगर पंचायत के चुनाव बैलेट पेपर से हुए थे। अब गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणाम आने के बाद एक बार फिर से ईवीएम पर ऊंगली उठ रही है। चुनाव आयोग शुरू से ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में गड़बड़ी को नकारता आ रहा है। बात सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंची थी परन्तु गड़बड़ी का आरोप लगाने वाले अपनी बात का कोई ठोस आधार नहीं प्रस्तुत कर पाए। ये लोग गड़बड़ी होने के जो आधार दे रहे हैं या जिस तरह की सम्भावनाएं जता रहे हैं, उनसे मशीनों में गड़बड़ी की संभावना न के बराबर ही है। कोई कहता है कि मशीनों को रिमोट कंट्रोल से हैक करके दल विशेष के प्रत्याशी को जिताया जाता है। किसी का कहना है कि मशीनों में पहले से ही इस तरह की सेटिंग कर दी जाती है। बटन चाहे जो भी दबे वोट भाजपा प्रत्याशी को ही जाता है। तब फिर प्रश्न उठता है कि जहां गैर भाजपा प्रत्याशी विजयी हुए हैं वहां की मशीनों में ऐसा क्यों नहीं हुआ? कुल मिलाकर ईवीएम में गड़बड़ी होने का कोई ठोस आधार अब तक किसी के भी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जा सका है। दरअसल चुनावों में गड़बड़ी रोकने के लिए ही कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की परिकल्पना की गई थी। बैलेट पेपर से होने वाले चुनावों में फर्जी मतदान और बूथ कैप्चरिंग की घटनाएं धीरे-धीरे आम हो रही थीं। कई बार लोग बैलेट बक्स ही उठा ले जाते थे तो कहीं उसमें पानी डाल कर मतपत्र खराब कर दिए जाते थे। जबकि ईवीएम से चुनाव कराने में इस तरह की घटनाएं अब नहीं होती हैं। अभिकर्ताओं की संतुष्टि के बाद ही चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न करायी जाती है। ईवीएम में तकनीकी दृष्टि से गड़बड़ी करके क्या किसी प्रत्याशी विशेष के मतों की संख्या वास्तव में बढ़ाई जा सकती है? क्या ऐसा कर पाना सम्भव है? और यदि है तो कैसे? वस्तुत: ईवीएम मशीन में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर पणाली के द्वारा ही यह सुनिश्चित किया जाता है कि कौन सा बटन दबाने से किस प्रत्याशी को वोट प्राप्त होगा? चुनाव की सम्पूर्ण प्रक्रिया का निर्धारण उक्त कंप्यूटर सॉफ्टवेयर से ही होता है। तब फिर कोई यह कैसे कह सकता है कि ईवीएम में गड़बड़ी की सम्भावना बिलकुल भी नहीं है। इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि अब तक के चुनावों में गड़बड़ी की ही गई है। गड़बड़ी करना या न करना यह अलग विषय है परन्तु गड़बड़ी करने की सम्भावना को सिरे से कतई खारिज नहीं किया जा सकता है। क्योंकि सफ्टवेयर बनाने वाला चाहे तो सब कुछ संभव है। इसके लिए उसे अपने सफ्टवेयर में बहुत ही मामूली इंस्ट्रक्शन्स जोड़ने होंगे। परन्तु यह उच्च स्तर के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना कदापि सम्भव नहीं है। इसलिए अब इसका निर्धारण चुनाव आयोग को ही करना होगा कि वोटिंग मशीन में भले ही किसी प्रकार की गड़बड़ी न हुई हो परन्तु संदेह की स्थिति भी स्वस्य लोकतंत्र के लिए कतई ठीक नहीं है। यदि बाकी देश ईवीएम छोड़कर बैलेट पेपर के युग में लौट सकते हैं तो फिर भारत क्यों नहीं?

रीढ़ को ठंडा कर देनी वाली फिल्म '1921'

विक्रम भट्ट अपनी नई अति-भयावह, रीढ़ को ठंडा कर देनी वाली फिल्म 1921के साथ रूपहली पर्दे पर पेश करने को तैयार है। 1920 के एक दशक बाद भट्ट एक दूसरी चलचित्र के साथ वापस लौटे हैं जिसमें मुख्य जोडी के बीच जबरदस्त रूमानी और भावनात्मक आधार है।

2008 में 1920 का प्रदर्शन हुआ था और 1921 ठीक दस साल बाद प्रदर्शित होगी। फिर भी 1921 पिछली फिल्म 1920 की फ्रेंचाइज नहीं है। भट्ट को अपनी डरावने विषय पर आधारित फिल्मों के लिए जाना जाता है और उन्हें ने उनकी इस श्रेणी की फिल्मों मे 'राज'' श्रृंखला और 'हॉण्टेड '' 3डी और 1920 जैसी डरावनी फिल्में शामिल हैं। फिल्म में जरीन खान और करण कुन्द्रा की मुख्य जोडी है। यह फिल्म मुख्य कलाकारों के स्याह भूतकाल और अपने वर्तमान और भविष्य को बचाने वाले रहस्य के इर्द गिर्द घुमती है। यह फिल्म जीवन और मृत्यु के बीच होने वाले संघर्ष के बारे में है जो पूरी तरह से ब्रिटैन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। 1921 के टैऊलर का जबरदस्त सकारात्मक प्रतिसाद मिला है और एक ही सप्ताह में इसे 10 मिलियन से अधिक व्यूज मिले है और यह संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। ऐसी कम ही हॉरर फिल्म होती हैं जिन्हें प्रशंसको का इतना ज्यादा प्यार और कृतज्ञता मिलती है।

निर्देशक मृग 'सफलता के हकदार': रिचा चड्ढा

अली फज़ल, रिचा चड्ढा, वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और मनजोत सिंह की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'फुकरे रिटनर्स' की दर्शकों ने खूब प्रशंसा की और अच्छे रिव्यू दिए, जिसके कारण इस फिल्म ने प्रतियोगिता में अपना स्थान बनाने में सफलता पाई और यह साबित कर दिखाया कि अच्छी कहानी दर्शकों को हमेशा पसंद आती है। रिचा चड्ढा की भूमिका वाली फिल्म 'फुकरे रिटनर्स' को बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत मिली और यह फिल्म अभी भी थिएटर में जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। बॉक्स ऑफिस में कारोबार के तीसरे हफ्ते की शुरुआत के साथ, फुकरे रिटनर्स ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस को मिलाकर 101.78 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसमें से 93.02 करोड़ रुपये का कारोबार घरेलू बाजार से हुआ और वैश्विक बाजार में इसका कारोबार 08.76 करोड़ रुपये का रहा। यह फिल्म इस साल हिंदी फिल्म उद्योग में पहले से ही तीसरी सबसे ज्यादा लाभदायक फिल्म बन गई है, जिसे देखते हुए आने वाले समय में फुकरे को सबसे मजबूत फ्रेंचाइजी माना जा रहा है। इसने कॉमेडी जगत की कुछ अच्छी फ्रेंचाइजी, जैसे कि हाउसफुल, गोलमाल की तरह सफलता पाई है। रिचा ने कहा, इस सफलता से मैं वाकई रोमांचित हूँ। फिल्म के निर्देशक मृग के लिए बेहद खुश हूँ क्योंकि वह इस सफलता के हकदार हैं।

'फुकरे रिटनर्स' को बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत मिली

100 करोड़ का आंकड़ा पार

फिल्म फुकरे रिटनर्स को लोगों ने काफी पसंद किया और बड़ी संख्या में लोग फिल्म का आनंद लेने थिएटर में जा रहे हैं, जिसे देखकर मुझे बेहद प्रसन्नता है। इसके अलावा, अली फजल ने कहा, मुझे इस बात का पहले से अंदाजा था और मुझे याद है कि मैंने अपने एक दोस्त को कहा भी था कि- इस फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति के लिए आने वाला समय बेहतर होगा। 100 करोड़ का आंकड़ा पार करना इतिहास की किताबों और बॉलीवुड के दिग्गजों के लिए एक छोटी सी उपलब्धि है, जो लोग पर्दे के पीछे रहकर भविष्यवाणी करते हैं और लोगों के करियर का फैसला करते हैं। समय बदल रहा है और दुनिया छोटी हो रही है लेकिन स्टेज का दायरा बढ़ रहा है। इस बदलाव का हिस्सा होने पर मुझे गर्व है। शानदार निर्माता रितेश और फरहान सर की बेहद प्रतिभाशाली लोगों की टीम का उनके सहयोग के लिए मैं तहे दिल से शुक्रगुजार हूँ। दर्शकों ने रिचा और अन्य कलाकारों के प्रदर्शन की काफी सराहना की और यह अपनी मूल फिल्म के आँकड़े को पार कर गया है।

छोटा पर्दा

अद्भुत प्रेम कहानी 'जीजाजी छत पर हैं'

सोनी सब का नया शो 'जीजाजी छत पर हैं' अपनी बिलकुल अलग तरह की कहानी के साथ दर्शकों को गुदगुदाने के लिये तैयार है। यह शो एक आजाद ख्याल लड़की इलायची (हिबा नवाब) और संघर्षों में जुटे पंचम (निखिल खुराना) के इर्द-गिर्द घूमता है। इसमें जीजा-साली की बड़ी ही अनोखी जोड़ी दर्शकों को देखने को मिलेगी, जहां इलायची की सनक और पंचम की लाचारी से शो में बड़ी ही मजेदार स्थितियां बनती हैं। जल्द ही दोनों सीधे इलायची की शरारतों का शिकार हो जाते हैं। शरारती इलायची, पंचम को जीजाजी कहकर बुलाती है और पिंटू को भाभीजी।

'द वॉयस इंडिया किड्स' में सलमान का ऑडिशन

सलमान को अपने जुनून के लिये जाना जाता है, चाहे वह पेंटिंग की बात हो, या फिटनेस की या फिर उनके हालिया जुनून, गायिकी की बात हो! हालांकि, अभी हाल ही में ऐसा सुना गया है कि सलमान ने 'द वॉयस इंडिया किड्स' के मंच के लिये ऑडिशन दिया है! सलमान खान और कैटरीन कैफफिलहाल अपनी नई फिल्म 'टाइगर जिंदा है' के प्रमोशन में लगे हुए हैं और रियलिटी शो 'द वॉयस इंडिया किड्स' को अपने अगले पड़ाव के रूप में चुना है। सलमान ने जब कहा कि वे मंच पर जाकर कोचेस- शान, पापौन, पलक मुछाल और हिमेश रेशमिया के लिये गाना चाहते हैं तो सभी हैरान रह गये।

दर्शकों के लिए ढेर सारा मनोरंजन, मस्ती और प्यार

यह शो ब्लॉक बस्टर बंगाली शो ''भोजगो बिंदो'' का रीमेक है। टॉलीवुड के लोकप्रिय निर्देशक स्नेहा शीष चक्रवर्ती इस कहानी को स्टार भारत पर ला रहे हैं। इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं - कन्हैया के रूप में विशाल वशिष्ठ, जो कि छोटे पर्दे के जाने-माने कलाकार हैं। डाली के रूप में प्रसिध्द बंगाली अभिनेत्री श्वेता भट्टाचार्य इस शो के साथ हिंदी टेलीविजन जगत में नई शुरुआत कर रही हैं। शो को वास्तविक रूप प्रदान करने के लिए इसे कोलकाता की कई जगहों पर शूट किया गया है। शो के विषय में स्टार भारत के प्रवक्ता का कहना है, हम अपनी नई पेशकश ''जय कन्हैया लाल की'' को लेकर काफी उत्साहित हैं।

ये बचपन से कर रही हैं उर्वशी रौतेला

भाग जॉनी', 'सनम रे' और 'काबिल' जैसी फिल्मों में आइटम नंबर कर चुकीं अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने बताया कि उन्होंने कई गीतों को खुद कोरियोग्राफ किया है। उर्वशी ने दुबई में टी10 क्रिकेट लीग के दौरान अपने परफॉर्मेंस का एक वीडियो ट्वीट किया। वीडियो के साथ उर्वशी ने लिखा, ''बहुत से लोग नहीं जानते कि मैं पहले काफी गीतों को कोरियोग्राफ कर चुकी हूं और मैं ये बचपन से कर रही हूं।'' इसके बाद उन्होंने क्रिकेट लीग में अपनी परफॉर्मेंस की जानकारी दी। उर्वशी आगामी फिल्म 'हेट स्टोरी 4' में सूरज पंचोली, करण वाही और गुलशन ग्रोवर के साथ दिखाई देंगी।

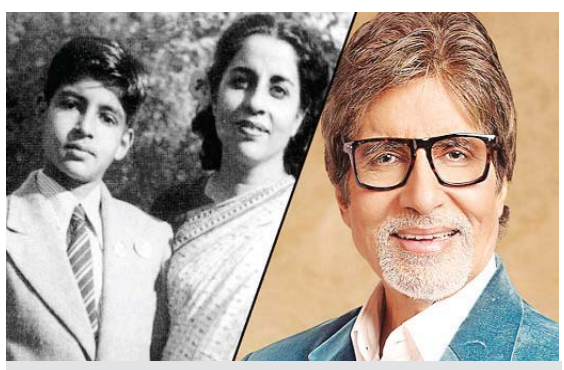

बिग बी ने किया 'खूबसूरत मा' के अंतिम क्षणों को याद

अमिताभ बच्चन ने अपनी मां तेजी बच्चन की 10वीं पुण्यतिथि पर उनके परिवार के साथ अंतिम क्षणों को याद किया। अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर लिखा, ''मां के लिए सुबह मुश्किल वक्त लाई। उनके दिल की धडकन ठीक नहीं थी, डॉक्टरों की उपस्थिति में इसे ठीक करने की प्रक्रिया शुरू की गई। उनके कमजोर शरीर का दिल धीरे-धीरे जवाब दे रहा था।'' उन्होंने बताया कि किस तरह उन्हें मशीन के जरिए सांस पहुंचाई जा रही थी। उन्होंने कहा, ''मैन्युअल रूप से पम्पिंग जारी थी। अब अधिक शक्ति और शक्ति के साथ यह मेरे लिए असहनीय हो रहा था। हम एक-दूसरे का हाथ पकड़े हुए थे और उसे देख चुके थे।

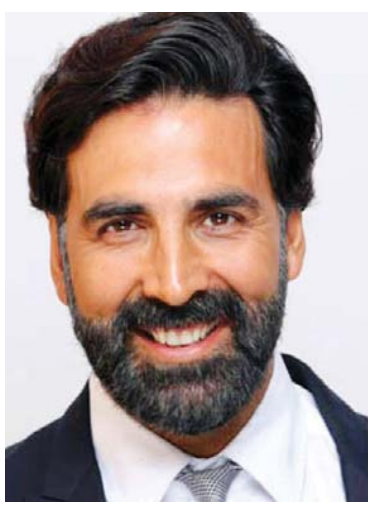

'केसरी' पर जनवरी से काम शुरू करेंगे अक्षय

अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म केसरी पर अगले साल से काम शुरू करेंगे। सलमान खान और अक्षय फिल्म केसरी में साथ काम करने जा रहे थे, जिसमें वह नायक की भूमिका में थे और सलमान, करण के साथ फिल्म के सह-निर्माता थे।अक्षय का कहना है कि वह और सलमान खान फिल्म 'केसरी' में एक साथ काम नहीं कर सके, लेकिन वह फिल्म निर्माता करण जौहर के साथ फिल्म बना रहे हैं। अक्षय ने 'केसरी' से सलमान के पीछे हटने के बारे में पूछे जाने पर कहा , 'हां, हम ऐसा नहीं कर सके, मैं करण जौहर के साथ फिल्म बना रहा हूं और यही है। फिल्म का शीर्षक 'केसरी' रखा गया है।

चुटकुले

सोने की चीज

पत्नी: इतने साल हो गये शादी को तुमने आज तक मुझे कुछ नही दिया

पति: दिल तो दिया है और क्या चाहिये

पत्नी: नहीं जानू कोई सोने की चीज दिलाओ ना

पति: चलो शाम को नया तकिया ला दूंगा खूब मजे से सोना

ताजमहल

मास्टर: पढाई शुरू कर दो पेपर आने वाले हैं

पप्पू: मैं तो खूब पढ़ता हूँ, कुछ भी पूछ लो

मास्टर: बता ताजमहल किसने बनाया

पप्पू: मिस्त्री ने

मास्टर: अबे गधे मतलब किसने बनवाया

पप्पू : ठेकेदार ने बनवाया होगा

दुखी आदमी...

एक आदमी अपनी बीवी को दफना के घर जा रहा था कि अचानक बिजली चमकी बादल गरजे जोर की तूफानी बारिश शुरू हुई ! माहौल अफरातफरी वाला हो गया दुखी आदमी आसमान की तरफ देखते हुए बोला लगता हैं पहुँच गयी !!

किस लिये....

मास्टर: कल स्कुल क्यूँ नहीं आये?

बबलू : गल्फ्रेंड से मिलने गया था .

मास्टर: किस लिये?

बबलू: येस सर

मास्टर: मैंने पूछा किस लिये?

बबलू: लिये सर बहुत लिए।

मधुबाला, शर्मिला को आदर्श मानती है सनी लियोनी

वर्ष 2012 में प्रदर्शित फिल्म 'जिस्म 2' के साथ बॉलीवुड शुरू किया करियर

बॉलीवुड की बेबी डॉल सनी लियोनी मधुबाला और शर्मिला टैगोर को अपनी आदर्श मानती है। वर्ष 2012 में प्रदर्शित फिल्म 'जिस्म 2' के साथ बॉलीवुड करियर शुरू करने वाली सनी लियोनी ने मंदाकिनी, रेखा और जीनत अमान की कुछ पुरानी तस्वीरें ट्वीट कीं और उन्हें अपना आदर्श बताया। सनी ने ट्विटर पर लिखा, 'मैने बॉलीवुड में कुछ महिलाओं से सीखा है कि जैसी हो वैसी ही रहना ठीक है। जैसे शर्मिला टैगोर, मंदाकिनी, डिंपल कपाड़िया, रेखा, जीनत अमान और मधुबाला।'

हॉलीवुड

एक-दूसरे को फॉलो नहीं करतीं गोमेज, टीफे

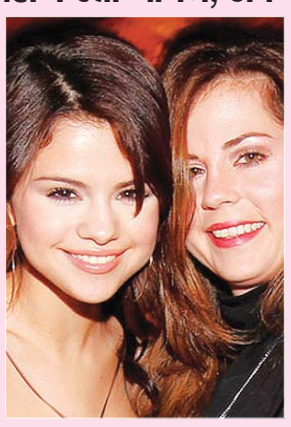

गायिका सेलिना गोमेज और उनकी मां मैंडी टीफे इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को फॉलो नहीं करती हैं। सुत्रों के मुताबिक, गोमेज के प्रशंसकों ने इस बात पर तब गौर किया, जब इमेज-शेयरिंग साइट पर गायिका ने अपनी मां को फॉलो करना बंद कर दिया। इसके बाद टीफे ने भी अपनी बेटी को अनफॉलो कर दिया। पिछले सप्ताह अस्पताल में भर्ती होने के बाद टीफे का गोमेज के साथ गायक जस्टिन बीबर को लेकर विवाद हो चुका है। गोमेज और बीबर के संबंधों में पिछले कुछ वर्षो से उतार-चढ़ाव देखा गया है।

'द स्पॉन्जबॉब मूवी' की रिलीज 2020 तक टली

प्रोडक्शन बैनर पैरामाउंट पिक्चर्स ने 'द स्पॉन्जबॉब स्क्वायरपैंट्स' की रिलीज तिथि 2019 से आगे बढ़ाकर 31 जुलाई, 2020 कर दी है। सुत्रों के मुताबिक, 'द स्पॉन्जबॉब मूवी' नामक एनिमेटेड फिल्म के साथ पॉल टिबिट की वापसी की घोषणा हुई। इसमें टॉम केनी, क्लेन्सी ब्राउन, रॉजर बम्पास, बिल फेजरबाक और कैरोलिन लॉरेंस जैसे कलाकारों ने अपनी आवाज दी है। टिम किर्बी द्वारा निर्देशित फिल्म की पटकथा जॉन एल्टस्कुलर, डेव क्रिंस्की और नॉक्सविल ने तैयार की है।

भारत में प्रस्तुति देने को उत्साहित: शीन पॉल

वर्ष 2012 में भारत में प्रस्तुति दे चुके जमैका डांसहॉल रैपर-गायक शीन पॉल यहां अगले साल प्रस्तुति देने के लिए उत्साहित हैं। पॉल ने कहा मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं यहां पहले भी आया हूं, लेकिन इस समय मैं और अधिक उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे भारत और इसकी संस्कृति बहुत पसंद है। शीन पॉल 'गिम्मी द लाइट' के साथ प्रसिद्ध हुए। यह वर्ष 2002 के अल्बम 'ड्यूटी रॉक' का गीत है। यह बिलबोर्ड हॉट 100 के नंबर 7 पर पहुंच गया है। ग्रैमी पुरस्कार विजेता टेंपरेचर, गेट बिजी और गिव इट अप टू मी जैसे हिट गीत दे चुके हैं।

Readers Choice

इस गांव में हर आदमी है करोडपति

आज आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जहां रहने वाला हर शख्स करोडपति है। इस गांव में रहने वालें हर आदमी के पास खुद की कार और बंगला है। खास बात यह है कि लग्जरियल मॉल और होटलों से भरी इस जगह से मजह 2000 रेजिडेंट्स है। यहां रोशनी से चमकती सडके और आसमान से उड़ान भरते हेलिकॉप्टर दिखना बहुत आम बात है। चीन का यह गांव किसी मॉडर्न शहर से कम नहीं है। चीन के जिंयाग्सू प्रांत को दुनिया के सबसे अमीर गांवों में गिना जाता है। इस गांव के हर आदमी के बैंक खाते में 85 लाख रुपए की जमा राशि है। हर निवासी के पास एक कार और लग्जरी बंगला है। इनकी सैलरी लाखों में है। यह गांव दुनिया के बड़े-बड़े मॉडर्न और मेट्रो शहरों को भी मात देता है। लेकिन इस गांव में रहने वाला हर शख्स तब तक ही अमीर और करोड़पति है, जब तक वह यहां रहता है। जिस दिन यहां का कोई व्यक्ति गांव छोडकर कहीं और बसने की सोचता है, उसी दिन वह अमीर से गरीब बन जाता है।

व्यावसायिक सिनेमा से है प्यार : जैकलीन

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री और पूर्व मिस श्रीलंका जैकलीन फर्नांडीज व्यावसायिक सिनेमा से प्यार करती हैं। जैकलीन बॉलीवुड की उन गिनी चुनी अभिनेत्रियों में शामिल हैं जो व्यावसायिक रूप से सबसे सफल फिल्मों का हिस्सा रही हैं। रेस 2, किक, हाउसफुल 2, और हाउसफुल 3 में जैकलीन ने दर्शकों का मनोरंजन किया है। जैकलीन का कहना है कि उन्हें व्यावसायिक सिनेमा से बहुत प्यार है। वर्ष 2017 की ब्लॉकबस्टर में से एक 'जुड़वा 2' में जैकलीन ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभायी हैं। जैकलीन से जब व्यावसायिक सिनेमा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे व्यावसायिक सिनेमा से बहुत प्यार है। मुझे लगता है कि लोग व्यावसायिक सिनेमा की अभिनेत्रियों को गंभीरता से नहीं लेते।

'जुड़वा 2' में जैकलीन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी

चार साल की बच्ची का बलात्कार कर हत्या का प्रयास

हत्या के इरादे से आसीफ हुसेन ने बलात्कार करने के बाद प्लास्टिक की थैली में भरकर स्टेशन के पास झाड़ी में फेंका

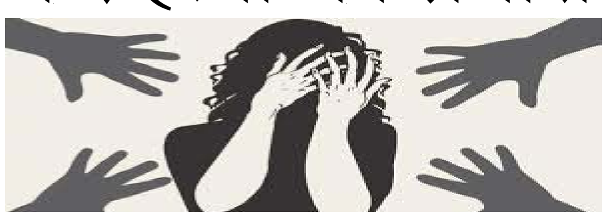

सूरत। नवसारी में रहने वाले श्रमजिवी परिवार की चार वर्ष की बच्ची के साथ वजिलपोर रोपालनगर में रहने वाले नरपिसाच ने उसेक घर से खेलने के बहाने फुसलाकर ले जाने के बाद लात्कार करेक उसे लहूलुहान हालत में प्लास्टिक की थैली में भरकर रेलवे के समीप झाड़ी में फेंक दिया। गंभीर हालत में मिली बच्ची को पहले नवसारी इसके बाद सूरत की अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार नवसारी में रहने वाले श्रमजिवी परिवार की चाल वर्षीय तस्लीम को गत रोज गोकुलनगर में रहने वाला आसीफ हुसेन उर्फ गुड्डु अली हुसेन तस्लीम को खेलने के बहाने अपहरण कर ले गया और उसेक साथ बलात्कार करके लहूलुहान कर दिया। जब दर्द से तस्लीम रोने लगी तो आरोपी ने उसकी हत्या करने के इरादे से प्लास्टिक की थैली में जबरन भर दिया और चुपके से नवसारी गांधी स्मृति फाटक के समीप रेलवे लाइन के 20 फुट दूरी पर झाड़ी में फेंक कर फरार हो गया। पीड़ा से तस्लीम चिखती और कांपती देक लोगों की मानवता उसेक पास तक खींच लाई और लोगों ने देखा कि बच्ची थैली में लहूलुहान हालत में पड़ी है। इसके बाद 108 के द्वारा उसे इलाज के लिए पहले तो नवसारी अस्पताल ले गए। जहां पर हालत गंबीर होने सूरत की नई सिविल अस्पताल में भती4 किया गया। घटना के संदर्भ में विजलपोर पुलिस में बच्ची के पिता ने नराधम आसीफ के खिलाप अपहरण और बलात्कार का मामला दर्ज कराया है।

गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 26 दिसंबर को होगा शपथ ग्रहण समारोह

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के नेतृत्ववाली भाजपा सरकार 26 दिसंबर को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में शपथ ग्रहण करेगी। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उपस्थित रहेंगे। शपथ ग्रहण समारोह भाजपा के लिए एक बड़ा इवेन्ट होगा। समारोह में भाजपा शासित 18 राज्यों के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्रियों के अलावा केन्द्रीय मंत्री, सतं-महंतों के साथ कई जाने माने उद्योगपति भी हाजिर रहेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में करीब चार हजार जितने महानुभावों के उपि-स्थत रहने की संभावना है। पहले संभावना थी कि शपथ ग्रहण समारोह अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम या साबरमती रिवरफ्रंट ग्राउंड पर आयोजित किया जा सकता है। तीसरे विकल्प के तौर पर गांधीनगर के महात्मा मंदिर को लेकर भी चर्चा थी। आखिरकार शपथ ग्रहण समारोह के लिए महात्मा मंदिर को चुना गया है। जहां 26 दिसंबर को गुजरात की नई सरकार शपथ ग्रहण करेगी।

मालिक की पत्नी को भगा ले गया किराएदार

सूरत। घर मालिक की पत्नी के साथ अवैध संबंध रखने वाले किराएदार से घर खाली कराने के बाद किराएदार घर मालिक की पत्नी को लेकर फरार हो गया था। इसके बाद घर मालिक ने पत्नी को समझाने के बाद वापस ले आया। जिसके कारण किराएदार ने अपने लोगों से साथ मालिक के घर आया और थियारों से हमला करके घर के लोगों को घायल करके घर में भी तोड़फोड़ कर दिया। घटना के बारे में पलसाणा पुलिस हत्या की कोशिश का मामला दर्ज करेक जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों से प्रात जानकारी के अनुसार पलसाणा एना बाजार फलिाय में रहने वाले महेश बाबूभाई राठौड ने आरोपी विजय नायका, विजय के भाई तथा अन्य चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। जिसके अनुसार आरोपी विजय महेश के घर के पीछे भाड़े पर रहता था। उस दौरान शिकायत करने वाले घर मालिक की पत्नी से उसका अवैध संबंध हो गया तो तो आरोपी से घर खाली करा लिया गया। इसके बाद घर मालिक और उनका पत्नी के बीच झगड़ा होने पर पत्नी बोली कि मैं मायके जाकर आती हूं। यह कहकर उनका पत्नी आरोपी विजय के साथ चली गई। इसके बाद भी घर मालिक ने किसी तर से पत्नी को समझाने के बाद वापस लाए थे। इस बात की रंजिश रखते हुए आरोपी विजय ने अपने भाई तथा अन्य चार लोगों को साथ में लेकर घर मालिक महेश के यहां पहुंच गया और उनके परिजनों पर घातक हथियारों से हमला करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। इतना ही नहीं, घर में तोड़पोड़ करके काफी क्षति भी किया था। घटना के संदभ4 मे पलसाणा पुलिस हत्या का प्रयास करने का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

मार्केट के व्यापारी और दलाल ने उधार में माल लेकर 16.28 लाख चुकता न करने की पुलिस में रिपोर्ट

सूरत। रिंग रोड अन्नपूर्णा मार्केट के व्यापारी ने दलाल के साथ मिलकर ववर्सि के पास से 16.28 लाख रुपए का ग्रे कपड़ा लेकर पैसे का चुकता न करके ठगी करने की रिपोर्ट सलाबतपुरा पुलिस में दर्ज कराई गई है। सूत्रों से प्राप्ज जानकारी के अनुसार सलाबतपुरा खागड शेरी में रहने वाले रामचंद्र कनैयालाल भमरडीवाला कपड़ा ववर्सि है। इनके पास से गत 21 जनवरी से 2 माट4 के बीच रिंगरोड अन्नपूर्ण मार्केट के ठग व्यापारी ने कपड़ा दलाल रीतेश रंगूनवाला के साथ मिलकर 16,28,732 रुपए का ग्रे कपड़ा उधार में मंगाया था। पैसा चुकता करने का समय आया तो ठग व्यापारी ने अशोक मिश्रा द्वारा चेक दिलाया था। वह चेक रिटर्न हो गया और व्यापारी दुकान बंद करके फरा हो गया। सलाबतपुरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

लिंबायत में युवक को हमला करके लूटा

सूरत। लिंबायत के बजरंग दल मंदिर के पास से जा रे एक युवक को चार अज्ञात युवकों ने हमला करके 15000 रुपए की लूट करके फरार हो गए।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत नीलगिरी कृष्णानगर में रने वाले अजय श्रीराम अवतार पांडे गत रोज 9 बजे शाम को बजरंग दल मंदिर के सामने गली में से जा रहे थे। उसी समय अज्ञात चार युवक वहां आए और अजय को पकड़ कर लात घूसें से पिटाई करके उसकी जेबसे 15 हजार रुपए की लूट करके स्थल से फरार हो गए। घटना के बारे में अजय ने लिंबायत पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोसंबा पालोद रोड पर लूट गैंग का आतंक

दो वाहान चालकों को रोककर 1.33 लाख रुपए लूट लिए

सूरत। कोसंबा पालोद गांव में लुटेरों ने मोटरसाइकिल सवार और कार चालक को लूट लिया। लुचेरों ने नकद रुपए तथा सोने-चांदी के देवर सहित कुल 1,33,670 रुपए का माल लूटकर फरार हो गए। कोसंबा पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मांगरोल तालुका के मोटा बोरसरा गांव के महमद युनूस हनीफ अपने पिता हनीफ महमद के साथ बाइक से पालोद गांव की ओर जाने वाले रोड से जा रहे थे। उसी समय सात लुटेरे उनके पास से मोबाइल तथा नकदी लूट लिए। इसी तरह इसी गांव के ही अशोक ठाकोर परमार कार से जा रहे थे। तभी लुटेरों ने उनकी कार को रोक लिया और उनके पास से नकदी, मोबाइल, सोने के जेवर सहित कुवल 1,33,670 रुपए की लूट करके फरार हो गए।

सुधांशु जी महाराज का भक्ति सत्संग 4 से 7 तक

रिया पार्टी प्लॉट में सम्त्संग का आयोजन

सूरत। विश्व जागृति मिशन बालाश्रम परिवार की ओर से विराट भक्ति सम्त्संग का आयोजन चार जनवरी से सात जनवरी तक उधना मगदल्ला रोड स्थित रिया पार्टी प्लॉट में किया गया है। संत शिरोमणि सुधांशु जी महाराज अपने मधुर वाणी से श्रोताओं को अमृतमयी कथा का सुबह साढ़े नौ बजे से 11.30 बजे तक और शाम 5 बजे से शाम 7 बजे तक रसपान कराएंगे। इस आशय की जानकारी पं. रामबली दूबे ऊ र्फ वासुदेवानंदजी महाराज ने दी है।

पौष माह में कपड़ा ग्राहकी में मंदी

बाहर से नहीं आ रहे ग्राहक

सूरत। कपड़ा मार्केट में गत पिछले साल नोटबंदी से मंदी का दौर शुरू हुआ और वर्तमान वर्ष के अंतिम माह तक जारी है। मंदी के जद में आने से मार्केट से कई पार्टी उठ गई। वर्तमान में पौष माह शुरू होने से यूपी,ख बिहार व उत्तर भ्भारत में वैवाहिक व मांगलिक आयोजन नहीं हो रहे है। जिससें कपड़ा मार्केट में ग्राहकी नगण्य दिखाई दे रही है। कपड़ा मार्केट में ई-वे-बिल नहीं होने से भ्भी यूपी व अन्य प्रांतों में कपड़ा नहीं जा रहा है। कपड़ा कारोबारियों द्वारा आगामी 14 जनवरी के बाद कपड़ा कारोबार में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

इनका कहना है

उत्तर भारत में ठंड पड़ने से गर्म कपड़ा मंड़ियों की ओर वहां के खुदरा कपड़ा कारोबारी रूख किए है। जिससे सूरत कपड़ा मार्केट में ग्राहकी में असर साफ तौर से दिख्खाई दे रहा है। उत्तरायण पर्व के बाद कपड़ा ग्राहकी में सुधार होने की सभ्भावना है। - हरिवंश अरोरा, कपड़ा कारोबारी, एसटीएम

सूरत में ठडी बढ़ी, तापमान का पारा 15,6 डिग्री

सूरत। सूरत शहर का तापमान अचानक दो डिग्री तक लुढ़क गया। शरद ॠतु का मौसम अब अहसास कराने लगा है। ठंड की मात्रा अब बढ़ने के कारण लोग आग का सहारा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। शनिवार को शहर का तापमान 15.6 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि शुक्रवार का तापमान 17.6 डिग्री दर्ज हुआ था। मौसम वभािग के अनुसार शहर जिला में 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री और न्युनतम तापमान 15.6 डिग्री दर्ज किया गया। हवा में नमी की मात्रा 75 फीसदी और दबाव 1014.04 मिलीबार दज4 हुआ है। जबकि उत्तर दिशा से 3 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चली थी।

25 वां विशाल नगर कीर्तन शोभायात्रा आज

सूरत। श्री गुरू गोविंद सिंह जी प्रकाश उत्सव पर्व पर गुरूद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब चेरीटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार दोपहर दो बजे 25 वां विशाल नगर कीर्तन शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। यह शोभायात्रा गुरु नानकदेव मार्ग के योगी कृपा सोसायटी से शुरू होगी।

साड़ी कारोबारी आठ लाख की ठगी का शिकार

दो जन के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

सूरत। कतारगांव इलाके में एक साड़ी कारोबारी आठ लाख ठगी का शिकार होने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित ने रिश्तेदार सहित दो जन के खिलाफ कतारगांव थाने में धाखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

कतारगांव पुलिस के अनुसार लक्ष्मीकांत आश्रमरोड बैकुंठधाम सोसायटी निवासी परेश भाई रामजी अवैया साड़ी कारोबारी है। उसकी घर के निकट एवरग्रीन साड़ी की दुकान है। परेश भाई की दुकान पर वेलजा तहसील के रामवाटिका सोसायटी निवासी केसू भाई वेचरभाई मियानी आया। वह परेश भाई का रिश्तेदार है। उसके कहने पर परेश भाई ने कामरेज के शुभम्म सोसायटी निवासी धार्मिक को आठ लाख कीमत की एक हजार नग साड़ियां स्टोन लगाने के लिए दे दी। उसके बाद धार्मिक ने पीड़ित को स्टोन लगाने के लिए ले गए साड़ियों को वापस करने बजाय हजम कर फरार हो गए। पीड़ित कारोबारी परेश भाई की शिकायत पर कतारगांव पुलिस ने केसू मियानी व धार्मिक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

कायरों की तरह घर नहीं बैठूंगा, संघर्ष जारी रहेगा : हार्दिक पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस)। पास नेता हार्दिक पटेल ने अपने फेसबुक पर पोस्ट किया है, जिसमें कहा है कि मैं बुजदिल की तरह घर में बैठककर गुजरात की जनता को गुलामी की जंजीरों में नहीं देख सकता। उन्होंने भाजपा की जीत को लेकर कहा कि मैं कायरों की भांति घर में बैठा रहनेवालों में से नहीं हूं। हार्दिक पटेल ने फेसबुक के जरिए सरकार पर अप्रत्यक्ष प्रहार किए। हार्दिक पटेल ने कहा कि जनता मुझे बोलने से रोकने का प्रयास जरूर करेगी, लेकिन मैं बोलने वाला हूं, दम लगाकर बोलूंगा, जिसको जो करना है कर ले।

सूरत। दयाल स्कूल अडाजण में पुस्तक मेंले का आयोजन किया गया। बच्चों पुस्तों को देखते हुए।

आरआरटीएम मार्केट से पांच पार्सल चोरी

पूणागांव थाने में मामला दर्ज

सूरत। कपड़ा मार्केट के आरआरटीएम मार्केट के खुले मैदान में रखे साड़ियों का पांच नग पार्सल चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित दुकानदार की ओर से पूणागांव थाने में अनजान के खिलाफ पार्सल चोरी का मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। पूणागांव पुलिस के अनुसार नवागांव डिंडोली के महाआनंदी रो हाउस निवासी गौतम विष्णु भाई चौधरी की आरआरटीएम मार्केट में साड़ी की दुकान है। मार्केट के खुली जहग में गौतम भाई ने साड़ियों का पांच नग पार्सल रखे थे। इन पार्सलों को किसी अनजान चोर ने चुरा लिया। पीड़ित गौतम भ्भाई ने साड़ी के पार्सल के बारे में काफी ख्खता किया।

जब कहीं कोई सुराग नहीं मिला तो गौतम चौधरी ने पूणागांव थाने में पार्सल चोरी का मामला दर्ज कराया।

सूरत। वाईट लोटस स्कूल वेसू में क्रीसमस डे के पहले दिन बच्चों के साथ स्कूल टीचर ने क्रीसम मनाया। जिसमें बच्चों सेन्टा केप पहने दिखाई दिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com